प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 12 जनवरी, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल के निदेश पर लोक भवन, राँची में आयोजित 'रक्तदान शिविर' में 406 लोगों द्वारा रक्तदान किया गया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार के निदेश पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, झारखण्ड शाखा द्वारा आज युगपुरुष एवं महान दार्शनिक स्वामी विवेकानंद जी की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर लोक भवन, राँची स्थित बिरसा मंडप में 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया गया।

राज्यपाल महोदय ने 'रक्तदान शिविर' के उद्घाटन से पूर्व युगपुरुष स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं तथा मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है।

माननीय राज्यपाल ने रक्तदान को सर्वोच्च मानवीय एवं पुनीत कार्य बताते हुए कहा कि समय पर रक्त

उपलब्ध न होने के कारण अनेक बार बहुमूल्य जीवन संकट में पड़ जाता है। ऐसे में रक्तदान जैसे सेवा-कार्य को जन-आंदोलन का रूप देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि राज्य में प्रत्येक रक्त समूह की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा वर्षों से सुषुप्त एवं निष्क्रिय झारखण्ड रेड क्रॉस सोसाइटी को सक्रिय एवं प्रभावी स्वरूप प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं और अपेक्षा है कि यह संस्था समाज में सेवा, विश्वास और संवेदनशीलता की सशक्त मिसाल प्रस्तुत करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि शीघ्र ही राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएँगे।

राज्यपाल महोदय ने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे रक्तदान को एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन भर की जिम्मेदारी के रूप में अपनाएँ। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक स्वस्थ युवा वर्ष में तीन बार भी रक्तदान करे, तो राज्य में रक्त की कोई कमी नहीं रहेगी तथा इससे किसी प्रकार की असुविधा भी नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पड़ोसी देशों में अंगदान को व्यापक स्तर पर अपनाया गया है; अतः रक्तदान को लेकर किसी भी प्रकार का संकोच न करते हुए इस दिशा में और अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है।

माननीय राज्यपाल ने यह भी उल्लेख किया कि वे स्वयं भी पूर्व में नियमित रूप से रक्तदान करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रिय सहभागिता से ही माननीय प्रधानमंत्री जी के 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को साकार किया जा सकता है और सेवा-भाव से किया गया रक्तदान इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राज्यपाल महोदय ने 'रक्तदान शिविर' के आयोजन के लिए झारखण्ड रेड क्रॉस सोसाइटी, स्वयंसेवकों, चिकित्सकों, विद्यार्थियों एवं सभी सहयोगी संस्थाओं की सराहना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन समाज में सेवा और संवेदनशीलता का सशक्त संदेश देगा। उन्होंने सभी से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि झारखण्ड में कोई भी व्यक्ति रक्त के अभाव में अपना जीवन न खोए। उन्होंने आज लोक भवन में आयोजित इस शिविर में रक्तदान करने वाले सभी 406 लोगों को हार्दिक बधाई दी तथा उनका आभार प्रकट किया।

स्वागत संबोधन करते हुए राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि राज्यपाल महोदय के निदेश पर झारखण्ड रेड क्रॉस सोसाइटी का प्रभावी रूप से गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिक से अधिक रक्तदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह 'रक्तदान शिविर' आयोजित किया गया है। राष्ट्रीय युवा

दिवस के अवसर पर आयोजित इस शिविर में युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, झारखण्ड शाखा के चेयरमैन श्री विजय कुमार सिंह ने कहा कि राज्यपाल महोदय की प्रेरणा से रेड क्रॉस सोसाइटी की शाखाएँ पूरे राज्य में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं और लगभग सभी जिलों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया है।

उक्त 'रक्तदान शिविर' में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी, अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण) श्रीमती सुमन गुप्ता, राज्यपाल के परिसहाय मेजर नवीन धत्तरवाल, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, झारखण्ड शाखा के सदस्यगण सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज स्वामी विवेकानंद जी की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोरहाबादी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में युवाओं से स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दिन केवल स्मरण का नहीं, बल्कि संकल्प लेने का भी अवसर है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने वेदांत, योग और कर्मयोग के माध्यम से भारत की आध्यात्मिक चेतना को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत हैं। उन्होंने शिक्षा को समाज की रीढ़ बताते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ऐसी शिक्षा के पक्षधर थे, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और चरित्रवान बनाए।

उन्होंने कहा कि रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य “नर सेवा ही नारायण सेवा है” की भावना का सजीव उदाहरण है। ऐसे आयोजन समाज को दिशा देते हैं और युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन को उन्होंने केवल एक संवैधानिक संस्था तक सीमित न रखकर, जनता की आशाओं और विश्वासों का केंद्र बनाने का प्रयास किया

है। राज्यहित में लोक भवन के द्वार राज्य के सभी नागरिकों के लिए सदैव खुले हैं।

इस अवसर पर यह उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर आज लोक भवन, राँची में 'रक्तदान महायज्ञ' का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान जीवनदान है और किसी अनजान व्यक्ति के लिए दिया गया रक्त किसी परिवार की खुशियों को बचा सकता है।

राज्यपाल महोदय ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद जी के संदेश "उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको" को आत्मसात करते हुए सेवा-भाव, परिश्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ें तथा उनके विचारों को अपने आचरण में उतारकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका निर्णायक है। उन्होंने रामकृष्ण मिशन द्वारा आयोजित 55वीं 'Rebuild Competition – नया भारत गढ़ो' की सराहना करते हुए कहा कि इसके माध्यम से हजारों युवाओं की सहभागिता झारखंड के युवाओं की चेतना और राष्ट्र-भावना का प्रमाण है।